Mission Shikshan Samvad

शैक्षिक कविताओं का संकलन

काव्यांजलि

दैनिक प्रवाह

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

संकलन- काव्यांजलि टीम, मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with Cam

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

दिनांक- 07 अगस्त 2020   दिन- शुक्रवार

प्यासी मैना

कक्षा- 4   विषय- हिन्दी

01

एक थी मैना, एक थी मैना,
नीम के पेड़ पे उसको रहना।
भरी दुपहरी प्यास लगी थी,
सूखा नल वो देख रही थी।

तोता बोला एक घड़ा है,
पानी उसमें भरा पड़ा है।
घड़ा जो देखा वह भी ख़ाली,
कबूतर के पास वो चली।

तोता, मैना और कबूतर,
गए लाल ईंटों वाले घर।
वहाँ भी सूख गया था पानी,
कुछ गौरैया बड़ी सयानी।

तीनों को ले साथ उड़ीं वे,
एक घर में पहुँच गईं वे।
एक कुण्डे में भरा था पानी,
तीनों ने फिर पिया था पानी।

रचना- हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकंदपुर
लोधा, जनपद- अलीगढ़

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

दिनांक- 07-08-2020 स्मृति दिवस दिन- शुक्रवार

रवीन्द्रनाथ टैगोर

02

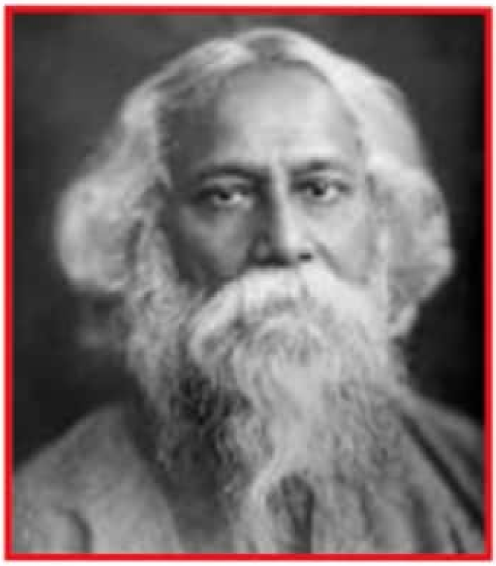

स्मृतियों में जो हैं अभी तक शेष,
नहीं भूलते ऐसे व्यक्ति विशेष।
विख्यात हुए गुरुदेव नाम से,
सम्मानित हुए नोबेल पुरस्कार से।।

रवीन्द्रनाथ टैगोर नाम है जिनका,
महान कवि, दार्शनिक थे वे युगद्रष्टा।
प्रकृति का सानिध्य उन्हें बहुत भाता,
शान्ति निकेतन के हैं वे निर्माता।।

जन-गण-मन राष्ट्रगान के हैं रचनाकार,
गीतान्जलि, वनवाणी है सृजन संसार।
1913 में मिला साहित्य का नोबेल पुरस्कार,
प्रकृति-प्रेमी और थे महान संगीतकार।।

मानवता को देते थे अधिक महत्व,
अद्भुत, अद्वितीय उनका था व्यक्तित्व।
7 अगस्त, 1941 को मिल गये पंचतत्व,
चिरनिद्रा में सो गये पाकर अमरत्व।।

रचना- प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक- 07 अगस्त, 2020 दिन- शुक्रवार

किसान गीत

03

खेतवा मा अपने सोनवा उगाइबै,
खेतवा मा...खेतवा मा..
और उगाइबै धान।
कि हम हैं भारत के किसान।।

यही धरती मा सोना निकरे,
यही धरती मा पानी।
यही लुटावै विपुल सम्पदा,
जम के करो किसानी।।
मिट्टी की सब जाँच कराओ,
अब न हो नुकसान।
कि हम हैं भारत के किसान....

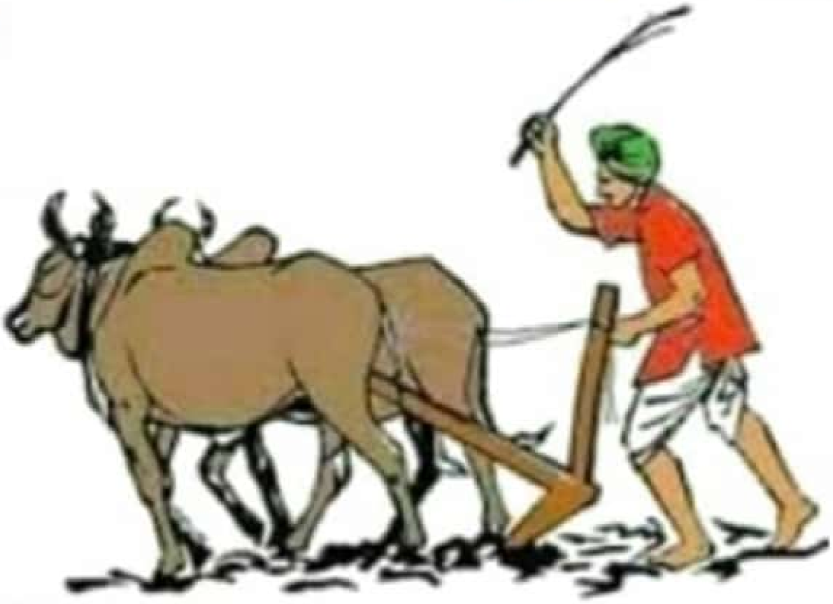

नए-नए कृषि यंत्रों को,
भैया मेरे अजमाओ।
उन्नत बीज खाद हो देशी,
जैविक खेती अपनाओ।।
पैदावारी खूब होयगी,
कृषक बने धनवान।
कि हम हैं भारत के किसान....

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना- राज कुमार शर्मा (प्र०अ०)
यूपीएस चित्रवार, ब्लॉक- मऊ
जनपद- चित्रकूट

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

दिनांक- 07 अगस्त 2020 **अशफ़ाक उल्ला खान** दिन- शुक्रवार

04

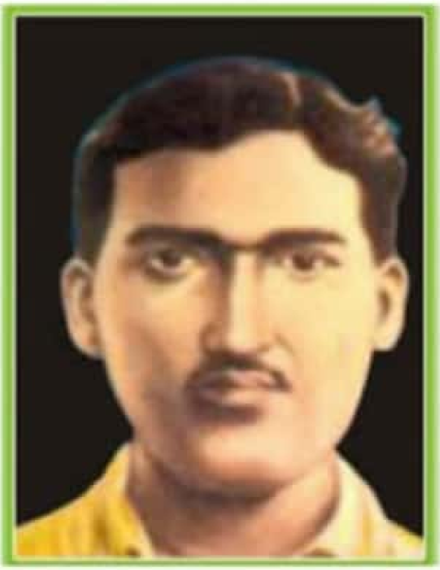

स्वतन्त्रता संग्राम में जब गांधी जी ने,
अंग्रेजो भारत छोड़ो आन्दोलन चलाया।
तब अन्य सेनानियों के साथ-साथ इसमें,
अशफ़ाकउल्ला खान का नाम भी आया।।

22 अक्टूबर सन् 1900 को उ०प्र० में जन्मे थे,
ब्रिटिश सरकार के प्रति घृणा मन में लिये थे।
क्रान्तिकारी अशफ़ाक की बड़ी वीर कहानी थी,
उखाड़ फेंकने की हुकूमत को मन में ठानी थी।।

बिस्मिल से जो की दोस्ती, खूब निभाई थी,
काकोरी कांड कर अंग्रेजों की नींद उड़ाई थी।
अंग्रेजों ने तब उन पर विद्रोही अभियोग चलाया,
19 दिसम्बर सन 1927 को फाँसी पर लटकाया।।

होकर शहीद देश पर इतिहास एक बनाया,
देश को हिन्दू-मुस्लिम एकता का पाठ पढ़ाया ।
हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी में ये कविताएँ लेख लिखते थे,
पूरा नाम अशफ़ाक उल्ला खान हसरत लिखते थे।।

रचना- अरुण गौतम (स०अ०)
राजकीय प्रा० वि० गाडोवाली
बहादराबाद, हरिद्वार

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक- 08 अगस्त 2020   दिन- शनिवार

जीवन के रंग

कक्षा- 5   05   विषय- हिन्दी

जिसको कहते थे सब सनकी,
उसकी सुनो तुम कहानी।
धरती को हरा-भरा बनाना है,
उसने अपने मन में ठानी।।

दूध बेचने के संग में,
हर जगह पेड़ लगाता था।
हर अवसर पर वह भेंट में,
एक पेड़ दे आता था।।

कुछ लोगों को यह बर्ताव,
रमइया का समझ में न आता था।
वह भी धुन का पक्का था,
बस पेड़ों के लाभ बताता था।।

पेड़ लगाओ सब दो-चार,
जिससे हो हर जगह बहार।
धीरे-धीरे सब यह समझे,
धरती पर हरियाली है उपहार।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना- शहनाज़ बानो (स० अ०)
पू० मा० वि० भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

Scanned with Can

Mission Shikshan Samvad

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

दिनांक- 08-08-2020 **स्मृति दिवस** दिन- शनिवार

06

तेजस्विनी सावंत

प्रथम भारतीय महिला जिसने,
स्वर्ण पदक था जीता।
म्यूनिख में आयोजित हुई,
निशानेबाजी की प्रतियोगिता।।

जीत के स्वर्ण पदक किया,
अपने पिता को समर्पित।
दिया था साथ पिता ने ही,
जब पैसों की थी किल्लत।।

Tejaswini Sawant

पिता रविन्द्र सांसत थे,
जल सेना में अधिकारी।
माँ सुनीता राज्य स्तर की,
हैं एक बेहतर खिलाड़ी।।

तेजस्विनी का तेज गरीबी में,
तप करके निखरा है।
स्वर्ण पदक जीता, उसका,
यश भारत में बिखरा है।।

🙏 *रचना —*
श्रीमती पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर
धनीपुर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Cam

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

दिनांक- 08 अगस्त 2020 **लोकगीत ब्रजभाषा** दिन- शनिवार

07

बदरी धीरे-धीरे ही गरजियो,
बाबुल कूं मती डरईयो।
खुशहाली फुहारन बिच,
फसल नई उगईयो।।

बदरी उड़ बाबुल अँगना जईयो,
बरस-बरस कर कहियो।
कहियो कि हम हैं त्यारी,
बिटिया की अंखियाँ।।

संदेशो मेरों खलिहान में दईयो,
बाबुल की फसल सिंचईयो।
भर दईयो पोखर नदीयन,
पानी ही पानी।।

बदरी पवन संग उड़ मत जईयो,
प्यासे कूं नीर पिबईयो।
बरस कें धरती की तू,
तपन भगईयो।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
परि० संवि० (पू०मा०) विद्यालय, तेहरा
मथुरा, मथुरा

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक- 08/08/2020 महान व्यक्तित्व दिन- शनिवार

गायिका- सिद्धेश्वरी देवी

08

तर्ज - राधे-कृष्णा की ज्योति अलौकिक

आठ अगस्त उन्नीस सौ आठ में,
वाराणसी में जन्म लिया था।
रामदास गुरुवर ने ही तो,
सिद्धेश्वरी प्यारा नाम दिया था॥

पिता श्री श्याम, माता चन्दा ने,
बचपन में साथ छोड़ दिया था।
मौसी राजेश्वरी देवी ने इनका,
लालन पालन खूब किया था॥

भारतीय शास्त्रीय संगीत की,
प्रसिद्ध गायिका सिद्धेश्वरी थीं।
ठुमरी, दादरा, चैती, कजरी,
गायन में ये बहुत निपुण थीं॥

भारत सरकार द्वारा छियासठ में,
पद्मश्री से सम्मानित हुई थीं।
सत्रह मार्च उन्नीस सौ सतहत्तर,
अलविदा सबसे हो गई थीं॥

रचना
मन्जू शर्मा (स०अ०)
प्रा०वि० नगला जगराम
सादाबाद, हाथरस

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Can

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

दिनांक- 09 अगस्त 2020 दिन- रविवार

कक्षा-5

गौरैया के साथी

विषय-हमारा परिवेश

9

माँ गौरैया खाना लेने निकली,
बच्चों को समझा कर बोली।
बाहर कहीं न जाना बच्चों,
दुनिया नहीं ये तुम सी भोली।।

दूर गई वो उड़ कर नभ में,
खाना खोजे सोचे ये मन में।
लड़की मिली एक रास्ते में,
खाती जो खाना धीमें-धीमें।।

बैठी उसके पास वो जाकर,
अपनी उसने व्यथा बताई।
रोटी तब लड़की ने पकड़ाई,
पर वो चोंच से उठा न पाई।।

आया फिर एक पास कबूतर,
मदद करी उसने चिड़िया की।
रोटी घोंसले तक पहुँचाई,
सबने मिल कर रोटी खाई।।

रचना- डॉ नीतू शुक्ला (प्र.अ.)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण -उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Cam

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

दिनांक- 09 अगस्त 2020 **विदेशियों की फैक्ट्रियां** दिन- रविवार

कक्षा - 8 विषय - सा० विषय

10

आने वाले व्यापारियों का,
तथ्य जानिए, सच जानिए।
बची हुई है जो बातें हैं वो,
सब जानिए, सब जानिए।।

पुर्तगाली के बाद अंग्रेज आए थे,
डच के बाद फ्रांसीसी आये थे।
मुगल दरबार सबसे पहले हाकिन्स गया,
उपहार से जहांगीर प्रसन्न हो गया।।

नील गन्ना पटसन अफीम और चाय,
यहाँ से ले जाकर वो बेचे ही जाए।
औद्योगिक क्रांति ब्रिटेन में हुई,
कच्चे माल की देखो जरुरत हुई।।

पहले ये हम से खरीदें कपास,
मशीनों से लेते ये कपड़े में ढाल।
वही कपड़े मिले हमें महंगे दाम,
देखो बन गए उनके यहाँ गोदाम।।

रचना

सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्रा० वि० मणिपुर
ऐरायां, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Cam

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक- 09/08/2020   **दिवस विशेष**   दिन- रविवार

नागासाकी दिवस

11

द्वितीय विश्वयुद्ध जब खतम नहीं हुआ।
विश्व तीन हिस्सो में था तब बँटा हुआ॥
लाखों लोगों ने यहाँ बलिदान भी दिया।
युद्ध ने मानवता को शर्मसार कर दिया॥

हिरोशिमा और नागासाकी जापान के शहर।
दोनों शहरो पर अमेरिका ने ढाया कहर॥
नागासाकी में 'फैट मैन' नामक बम गिरा दिया।
इस शहर में लाखों का जीवन तबाह हुआ॥

9 अगस्त 1945 को 11 बजकर 01 मिनट पर।
6.4 किलो. का प्लूटोनियम बम गिराया जमीं पर॥
1,540 फीट की ऊँचाई पर परमाणु बम फटा।
जापान में यह हादसा दूसरी बार था घटा॥

एक लाख चालीस हजार यहाँ लोग मारे गए।
किसी के भाई बहन किसी के माँ बाप गए॥
हाहाकार मचा हुआ चारो तरफ भयंकर।
छः अगस्त को भी बम गिराया हिरोशिमा पर॥

रचना
मन्जू शर्मा (स०अ०)
प्रा०वि० नगला जगराम
सादाबाद, हाथरस

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Can

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

दिनांक- 09 अगस्त 2020 दिन- रविवार

त्रिलोकीनाथ चक्रवर्ती

12

त्रिलोकीनाथ चक्रवर्ती थे स्वतंत्रता सेनानी व राजनीतिज्ञ,
भारत की स्वतंत्रता के लिए किए उन्होने अनेक युद्ध।
अस्सी वर्ष के जीवनकाल में से तीस वर्ष जेल में बिताए,
और अपने महान कर्मों से एक राजनीतिज्ञ कहलाए॥

2 अगस्त 1889 माइमेंसिंग बांग्लादेश में जन्मे थे,
9 अगस्त 1970 को अपने प्राण इन्होंने तजे थे।
7 वर्ष की उम्र में ही स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया,
और ढाका अनुशीलन समिति का नेतृत्व किया॥

शिक्षा पूर्ण ना कर सके पर 4 भाषाओं के ज्ञाता थे,
और अपने कर्मों से सारे जग को विस्मित करते थे।
आज सारा जग उनका शुक्रिया अदा करेगा,
और उनकी पुण्यतिथि पर माल्यार्पण करेगा॥

गरिमा वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० कलवारी
हाथरस, हाथरस।

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

दिनांक- 9 अगस्त 2020 दिन- रविवार

कजरी

हरे रामा देखा ई रुत मस्तानी,
सवनवाँ आइल रे हरी।
हरे रामा घेरे बा कारी बदरिया,
सवनवाँ आइल रे हरी।

रामा देखा धरती पे हरियाली छाइल,
सबही के मनवाँ उमंग बा आइल।
खुशी-खुशी ले ला प्रकृति अंगड़ाई,
घरवा में बनेला गुझिया, मलाई।
हरे रामा बरसेला टिप-टिप पनियाँ,
सवनवाँ आइल रे हरी।

रामा चारों ओरी देखा धूम मचल बा,
नीमिया के डरिया पे झूला पड़ल बा।
सावन हौ प्यारा ई सबके लगत बा,
हर्षित हो वन में कोयलिया बोलत बा।
हरे रामा गावे सब सावनी कजरिया,
सवनवाँ आइल रे हरी।

रामा ई त्योहार क महिनवाँ बा सावन,
बनल बा एही से लोक लुभावन।
आस औ विश्वास क परंपरा लिए बा,
सुमधुर समीरवा बहावेला सावन।
हरे रामा मनवाँ गइल मुसकाइल,
सवनवाँ आइल रे हरी।

13

रचना
अरविंद कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा०वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

Mission Shikshan Samvad
काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

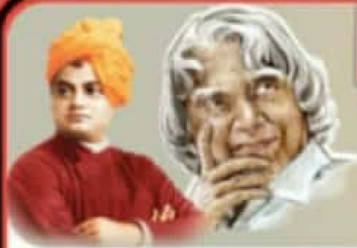

दिनांक- 9 अगस्त 2020 दिन- रविवार

मेरा देश

भेज देओ सबको संदेस...
मेरे मितवा।
चमकैगो जग में, मेरो देस...
मेरे मितवा।।

14

जल, थल, नभ सेना भईं ताकतवर,
कोई ना पार उससे पा सके।
सब सुख मिल जाएंगे अपने ही घर में,
सुन लै, जो बस गए विदेस...
मेरे मितवा।

चमकैगो जग में, मेरो देस...
मेरे मितवा।।

कौनू दुश्मन अब पाँव ना धर सके,
धरती पै हिंदुस्तान की।
सोन चिरैया फिर से देस ये बनेगौ,
साधुन नै दये उपदेस...
मेरे मितवा।
चमकैगो जग में मेरो देस...
मेरे मितवा।।

भेज देओ सबको संदेस..
मेरे मितवा।
चमकैगो जग में मेरो देस...
मेरे मितवा।।

रचना
पूनम गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० धनीपुर
धनीपुर, जनपद अलीगढ़

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

दिनांक- 09 अगस्त 2020 **छत्रपति शिवाजी** दिन- रविवार

तर्ज- जिंदगी एक सफर है सुहाना॥

माता ने पूजी थी देवी माँ शिवाई,
शाहूजी पिता थे माता जीजाबाई।
शिवाई देवी की कृपा से जन्म पाया,
माता-पिता खुश घर बाजी बधाई।।

शिवाजी नाम रख माता ने, संस्कार दिए,
रामायण, महाभारत, शूरवीर बचपन से सुने।
दादा कोणदेव ने सिखाई घुड़सवारी,
दुर्ग जीते शस्त्रों की शिक्षा ली सारी।।

अनेकों मुगल दुर्गों पर अधिकार किया,
औरंगजेब घबड़ाया, जयसिंह ने धोखा दिया।
किया अपमान सभा में बंदी हुए दुःख भारी,
बीमार बने की बाहर आने की तैयारी।।

15

रायगढ़ लौट मुगल दुर्गों को जीतना शुरु किया,
सभी धर्मों, मुस्लिम महिलाओं को सम्मान दिया।
1674 में शिवाजी का राज्याभिषेक हुआ।
अहंकारी, कट्टर मुगल शासकों का विरोध किया।।

रचना- नैमिष शर्मा (स० अ०)
परि० संवि० (पू० मा०) विद्यालय, तेहरा
मथुरा, मथुरा

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

दिनांक- 9 अगस्त 2020 दिन- रविवार

महात्मा गाँधी

भारत के इतिहास में,
व्यक्तित्व बहुत महान है।
बापू सबके कहलाए,
मोहनदास करमचंद गाँधी नाम है।।

बुरा ना देखो, ना सुनो, ना कहो,
यह पाठ हमें सिखलाया था।
अच्छी बातों का ज्ञान दिया,
ईमानदारी का पाठ पढ़ाया था।।

16

सत्याग्रह, अंग्रेजो भारत छोड़ो,
का आंदोलन चलाया था।
करो या मरो का नारा दिया,
अहिंसा का मार्ग दिखाया था।।

बिना हथियार लड़कर के,
अंग्रेजों का भारत से किया गमन।
ऐसे सरल स्वभावी बापू,
तुम को मेरा शत-शत नमन।।

रचना
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

दिनांक- 09अगस्त2020 **यातायात के नियम** दिन- रविवार

तर्ज़ - बाबू जी धीरे चलना

17

बाबू जी धीरे चलना,
राह में जरा सम्भलना।
हाँ, बड़े खतरे हैं,
बड़े खतरे हैं, इस राह में।।

चलने से पहले देखो दाएँ-बाएँ,
दाएँ-बाएँ देख कर ही कदम बढ़ाएँ।
जान लो चलने के जो नियम हैं,
आते-जाते नियमों को अपनाएँ।

ये सड़क है वो भोले-भाले,
कर न खुद को मौत के हवाले।
जिन्दगी ये नाजुक बहुत है,
सीट बेल्ट और हेलमेट लगा ले।।

नियमों का न करना उल्लंघन,
ट्रैफिक सिग्नल देख करना पालन।
जेब्रा क्रॉसिंग से चलना आसान है,
कर ले धीमी रफ्तार ओ प्यारे।।
हाँ बड़े खतरे हैं, बड़े खतरे हैं, इस राह में।।

रचना - रूखसाना बानो (स० अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्जापुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Cam

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

दिनांक- 09 अगस्त 2020 **भारत छोड़ो आन्दोलन** दिन- शनिवार

18

भारत छोड़ो आन्दोलन को,
अगस्त क्रान्ति के नाम से जाना जाता।
यह आन्दोलन स्वतन्त्रता के लिए,
सबसे बड़ा आन्दोलन माना जाता।।

इस आन्दोलन में सभी भारतवासी,
एक साथ शामिल हुए।
स्वतन्त्रता प्राप्ति के लिए,
जगह-जगह आन्दोलन किए।।

क्रिप्स मिशन की विफलता के बाद,
यह आन्दोलन शुरू किया गया।
कोठारी काण्ड के ठीक 17 साल बाद,
9 अगस्त 1942 को पुनः शुरू किया गया।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
पू० मा० वि० भौंरी-1
मानिकपुर, चित्रकूट

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक- 09.08.2020 | दिन- रविवार

रूक ज़रा ठहर ओ मानव

रूक ज़रा ठहर ओ मानव,
किस ओर बढ़ा तू जाता है॥
मत कर प्रकृति का संहार,
तू तो भविष्य का निर्माता है॥

एटमी हथियारों की ये कैसी होड़,
क्यूँ न वसुधैव कुटुम्बकम अपनाता है।
विनाश के इस पथ पर,
तू क्यों बढ़ता जाता है॥

रूक पलट ज़रा इतिहास देख,
परमाणु युद्ध विनाश को लाता है।
मत कर विज्ञान का अनुचित प्रयोग,
अनुचित प्रयोग संकट का जन्मदाता है॥

19

अपना विज्ञान का वरदान रूप,
यह प्रगति पथ पर ले जाता है।
कर विज्ञान का शांतिप्रिय प्रयोग,
विज्ञान तो उज्जवल राह दिखाता है॥

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना- फहरीन नजमी (स0 अ0)
पू0 मा0 वि0 हरगढ़,
ब्लाक- छानबे, जनपद- मिर्जापुर

Scanned with Cam

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

दिनांक- 10.08.2020 **भारतीय मुद्रा 1 से 100 ₹** दिन- सोमवार

विषय- गणित कक्षा- 3,4,5

दस-दस के 10 नोट मिलकर,
100 रु0 बन जाते हैं।
नोट बीस के 5 हों,
तो भी 100 कहलाते हैं।
मिलें पचास के 2 नोट,
तो भी 100 हम पाते हैं।।

पाँच-पाँच के सिक्के 20 हों,
तब भी 100 हो जाएंगे।
दो-दो के 50 सिक्के,
मिलकर 100 बनाएंगे।
100 का नोट बनाने को,
एक-एक के 100 सिक्के ही चाहेंगे।।

20

रचना
जितेन्द्र कुमार (स0अ0)
प्रा0 वि0 धनौरा, सिल्वर नगर-01
विकास क्षेत्र व जनपद- बागपत

Scanned with Cam

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक- 10/08/2020 पाठ्यक्रम दिन- सोमवार

कक्षा- 3 **साहसी सीमा** विषय- हमारा परिवेश

रात का समय भयंकर था,
गाँव में सीमा का घर था।
सीमा के संग उसका भाई,
और उस घर में कोई न था।।

भागो, बचाओ आवाज आई,
गाँव में भारी बाढ़ थी आई।
सीमा ने हिम्मत दिखलाई,
उसने तुरंत जगाया भाई।।

पानी कमरों में लगा बढ़ने,
लगे थे दोनों सामान रखने।
कहा भाई से छत पर चढ़ने,
सारी रात दी हिम्मत उसने।।

रहीम चाचा को आवाज लगाई,
सीमा मदद के लिए चिल्लाई।
नाव और मोटरबोट तब आई,
जान बची और खुशी मनाई।।

21

रचना
मन्जू शर्मा (स०अ०)
प्रा०वि० नगला जगराम
सादाबाद, हाथरस

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

Scanned with Can

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

दिनांक- 10अगस्त 2020 | दिन- सोमवार

स्पाइडर- मैन की पहली कॉमिक्स

कॉमिक्स जगत का प्यारा दुलारा,
बच्चे हैं जिस के फैन।
ऐसा चहेता आभासी चरित्र,
नाम है स्पाइडर-मैन।।

10 अगस्त को पहली बार,
कॉमिक बुक में आया।
बच्चे तो बच्चे बड़ों के भी,
मन को बहुत ही भाया।।

इस कार्टून चरित्र का जलवा,
फैल रहा दुनियाभर।।
कॉमिक्सों के बाद में आया,
यह फिल्मी पर्दे पर।।

बच्चे तो बच्चे बड़ों को भी,
इसकी कार्टून भाती।
इसीलिए 10 अगस्त की,
तारीख़ हमें याद है आती।।

22

रचना- हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा,अलीगढ़

Scanned with Can

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक- 10/8/2020 **वराहगिरी वेंकट गिरी** दिन- सोमवार

23

गौरव बढ़ा देश भारत का,
जन्म हुआ जब वी० वी० गिरि का।
दिन था वह 10 अगस्त 1894 का,
स्थान था ब्रह्मपुर,गंजाम जिला उड़ीसा का।।

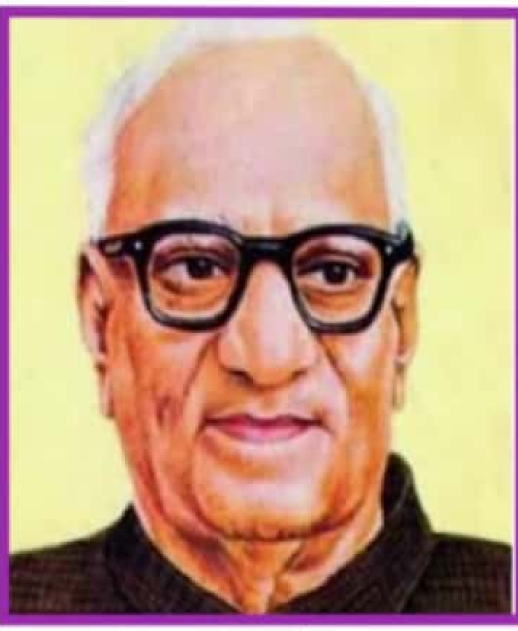

श्री जोगिहपन्तुलु था नाम पिता का,
ब्रह्मपुर से ज्ञान लिया पहली कक्षा का।
डबलिन में अध्ययन किया कानून का,
गठन किया रेलवे मजदूर यूनियन का।।

भारत छोडो आन्दोलन में भाग लिया,
स्वतन्त्रता के लिए कठिन संघर्ष किया।
फिर आजादी को हासिल किया,
केरल-मैसूर में राज्यपाल पद लिया।।

1976 में भारत के चौथे राष्ट्रपति बने,
महान वक्ता और विपुल लेखक बने।
1975 में भारत रत्न से सम्मानित हुए,
महान विभूति को पाकर हम धन्य हुए।।

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

रचनाकार
प्रतिमा उमराव स०अ०
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

दिनांक- 10अगस्त2020 **वीर सावरकर** दिन- सोमवार

24

बन कर पसीना ख़ून जिसका,
क्रान्ति की लौ में बह गया।
देश की अस्मत की खातिर,
जुल्म अनगिनत सह गया।

देश भक्ति की सजा थी,
काला पानी क्या चीज थी।
कोल्हू में जोतने वाला,
काला साम्राज्य ही ढह गया।।

तेरह वर्षों की कोठरी ने,
जिसके इरादों को दी उड़ान।
वो वीर सावरकर आज भी,
इतिहास के पन्नों में खो गया।।

भारत भूमि के उन तमाम,
क्रान्तिकारियों को नमन।
जिनकी बदौलत मुल्क का,
वजूद जिंदा रह गया।।

रचना - प्रेम प्रकाश जोशी
स0अ0
रा0उ0प्रा0वि0सुजड गांव
प्रताप नगर(टिहरी गढ़वाल)

Scanned with Cam

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

दिनांक- 10अगस्त 2020 **वराह गिरि वैंकट गिरि** दिन- सोमवार

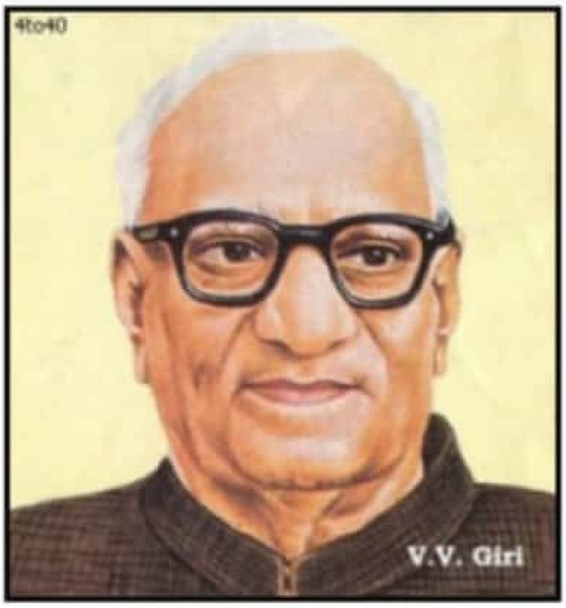

जन्म दिवस पर,
सादर नमन है तुम्हें।
हम सब करते हैं,
मन से स्मरण तुम्हें।।

राजेंद्र प्रसाद सर्वपल्ली,
जाकिर ने जो पथ अपनाया।
उसी मार्ग पर चलकर,
तुमने भारत शोधन बनाया।।

आजीवन मजदूरों के,
हित में तुमने संघर्ष किया।
बचपन से ही राजनीति में,
गाँधी का आदर्श लिया।।

25

ट्रेड यूनियन नेता तुम,
जन जन के हितकारी।
युगों-युगों तक लोग रहेंगे,
श्रीमन् के आभारी।।

रचना-
प्रवीणा दीक्षित
KGBV, कासगंज

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

दिनांक- 10 अगस्त 2020 **स्वामी विवेकानंद** दिन- सोमवार

26

जन्मा था जो, कलकत्ता में,
नाम नरेंद्र मिला जिनको,
भारत माँ के वीर पुरुष वो,
कोटि प्रणाम करें उनको l

भाई-बहन के संबोधन से,
सारे जगत को हिला दिया,
सोई दुनिया जगा के जिसने,
भक्ति योग का सूत्र दिया।

वह युवा संन्यासी जिसके,
दिव्यतेज मुख पर था चढ़ा,
विश्व गुरु बन गया देश ये,
भारत का सम्मान बढ़ा।

भारत की संस्कृति का झंडा,
जिसने जग में फहराया,
सोच बदल दी हर युवा की,
जो था तम से भरमाया।

जागो उठो, करो कर्म तुम,
लक्ष्य प्राप्ति तक नहीं रुको,
ऐसे श्री विवेकानंद जी,
याद करें, हम सब उनको।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना-
पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर
धनीपुर, अलीगढ़

Scanned with Cam

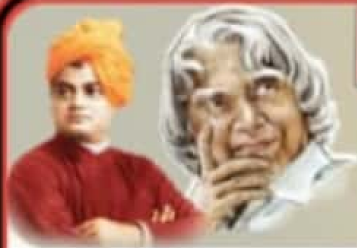

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

दिनांक- 10 अगस्त 2020 दिन- सोमवार

मदर टेरेसा

27

घर में सबसे छोटी थी,
एग्नेस नाम से जानी जाती।
अब मदर टेरेसा के नाम से,
सम्पूर्ण विश्व में पहचानी जाती।।

दीन दुखियों की सेवा करती,
मन में एक विश्वास लिए।
इस सेवा के भाव से,
इन्होंने अनोखे काम किये।।

विभिन्न संस्था संचालित की,
अपाहिज, अनाथों को घर दिया।
वृद्ध, बीमारों की सेवा कर,
खुशियों से जीवन भर दिया।।

भारत, इंग्लैण्ड, अमेरिका ने,
विभिन्न पुरस्कार इन्हे दिये।
मानवता की सेवा करते-करते,
इन्होने प्राण त्याग दिए।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
पू० मा० वि० भौंरी- 1
मानिकपुर, चित्रकूट

आओ हाथ से हाथ मिलाएं आपका दिन शुभ हो.. बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक- 10 अगस्त, 2020 दिन- सोमवार

कन्या भ्रूणहत्या

28

तर्ज़- तूने ओ रंगीले कैसा जादू किया..

बेटी को तो भ्रूण में ही मार दिया।
बेटा-बेटा बोले है सबका जिया।।
कैसे चलेगा जग ये भला...
ओ रे पिया, ओ...बेटी को...

जाँच कराके गर्भ गिराके,
मार दिया नाजुक बिटिया।
बेटी न होगी बहू भी न होगी,
कैसे बढ़ेगी ये दुनिया।
ये होती खुशियों की बगिया..
ओ रे पिया..बेटी..

दिल है जो बेटा, बेटी है धड़कन।
दोनों ही जिगर के टुकड़े।।
बेटी बिन सूना घर-आँगन सब।
दोनों ही जरुरी आँगन में।।
सौभाग्य से आती है बिटिया..
ओ रे पिया हो.. बेटी...

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना-
पुष्पा पटेल (प्र०अ०)
प्रा०वि०संग्रामपुर
ब्लॉक व जनपद- चित्रकूट

Mission Shikshan Samvad

काव्यांजलि - दैनिक प्रवाह

दिनांक- 10/08/2020 महान व्यक्तित्व दिन- सोमवार

नचिकेता

ऋषि बाजश्रवा के थे,
नचिकेता पुत्र महान।
बाजश्रवा ने विश्वजीत यज्ञ,
कर संपत्ति कर दी दान।।
यमराज के पास चल दिए,
पिता की आज्ञा मान।
यमराज ने खुश होकर,
दिए उन्हें तीन वरदान।।

देना चाहते हो मुझे,
प्रभु तुम वरदान।
पिता का क्रोध शांत हो,
और ले मुझको पहचान।।
स्वर्ग मिले किस रीति से,
मुझको दो यह ज्ञान।
मानव के सुख के लिए,
मांगू यह वरदान।।

मन, वचन और कर्म से,
जिसने न की किसी की हानि।
वही इस भवसागर से,
तर गए पुत्र महान।।
पित्र-भक्ति दृढ़ता के बल पर,
बालक चतुर सुजान।
ज्ञान पाकर यमराज से,
नचिकेता हो गए महान।।

29

रचना
पतिराम सिंह (इं०प्र०अ०)
पूर्व मा०वि० रतनगढ़ी
हाथरस, हाथरस

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Can